



**लोगों का उत्तम स्वास्थ्य सारकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: भजनलाल शर्मा**



एजसी

**जयपुर** । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोगों का उत्तम स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार ने अपने कुल सालानाबजट का 8.26 प्रतिशत चिकित्सा को समर्पित किया है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है तथा सेवा अर्थ से नहीं, बल्कि मन की शांति से जोड़ी जाती है, ऐसे में चिकित्सकों द्वारा मानवता की सेवा का महती काम किया जा रहा है। शर्मा ने कहा, हाँ हमें इस वर्ष के बजट में 27 हजार 660 करोड़ रुपये अर्थात् बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा केवल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को समर्पित किया है। प्रदेशवासियों की सेहत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है वह यहां एक निजी विश्वविद्यालय के दोक्षांत एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेडिकल की विभिन्न डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान डिजिटल हेल्थ मिशन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य रिकॉर्ड ।

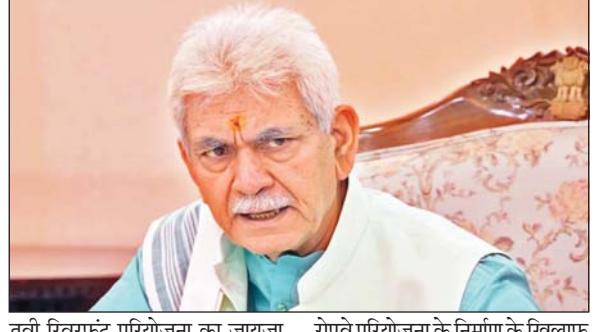
**ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों  
से हो चुनावः हिमाचल के मुख्यमंत्री सुकर्ण**



एजेंसी

**शिमला :** शिमला । हमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह मुक्कू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है। मुक्कू ने यहां संवाददाताओं से कहा, ईवीएम निमार्तिओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230

# प्रस्तावित रोपवे परियोजना को लेकर लोगों की चिंताओं पर ध्यान दिया जाएगा : मनोज सिन्हा



तबी सिवाहांड परियोजना का जारीजा रेपाले परियोजना के निर्माण के मिलाए

**जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा** ने कहा कि वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर प्रस्तावित रोपण व परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों की वैध चिंताओं पर ध्यान दिया जाएगा। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) के अध्यक्ष सिन्हा ने कहा कि जम्मू के सभागीय आयुक्त की अध्यक्षता वाली एक समिति ने विकास परियोजनाओं पर आम सहमति बनाने के लिए हितधारकों से पहले ही बात कर ली है। सिन्हा शहर के मध्य में निरार्थीयीन

की घटना से जुड़े एक सवाल के जवाब में उपराज्यपाल ने कहा कि रोजगार छिने संबंधी लोगों की चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास परियोजनाओं और लोगों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने के उद्देश्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। वैष्णव देवी मंदिर की ओर जाने वाले पैदल मार्ग पर प्रस्तावित रोपण परियोजना वे खिलाफ दुकानदारों और मजदूरों वे मार्च ने सोमवार को उस समय उग्र रूप ले लिया,

की घटना से जुड़े एक सवाल के जवाब में उपराज्यपाल ने कहा कि रोजगार छिन्ने संबंधी लोगों की चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास परियोजनाओं और लोगों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने के उद्देश्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाले पैदल मार्ग पर प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ दुकानदारों और मजदूरों के मार्च ने सोमवार को उस समय उग्र रूप ले लिया,

एंजेसी

महाराष्ट्रः महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को सोमवार का मुंबई में पार्टी विधायकों की बैठक में शिवसेना (यूबीटी) विधायक दल का नेता चुना गया। पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ने हाल के विधानसभा चुनावों में वर्ली निर्वाचन क्षेत्र से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के मिलिंद देवडा को 8,801 वोटों से हराया। उनकी जीत का अंतर 2019 के पिछले चुनावों की तुलना में कम हो गया, जहां यह 67,427 वोट था। आज शिवसेना

**'मुसलमान पहले भी भाजपा को वोट नहीं देते थे, और नहीं अब देते हैं', नीतीश के करीबी ललन सिंह के बयान पर सियासी बवाल**



二

**एजसा**  
पटना: केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के बयान को लेकर बिहार में सियासत तेज हो गया है। ललन सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नीतीश सरकार की कई कल्याणिकारी योजनाओं के बावजूद, मुसलमान जदू को बोट नहीं देते हैं। मुजफ्फरपुर के लंगट सिंह कॉलेज में जदय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मंत्री न साएम नीतीश के कार्यकाल के दौरान लागू किए गए कई सुधारों पर प्रकाश डाला, जिनसे अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ हुआ है, और उनकी तुलना लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सरकार के दौरान की स्थितियों से की गई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले पूर्व जदू अध्यक्ष सिंह ने कहा, "मुसलमान पहले भी जद-य को बोट नहीं देते थे.

करत हुए, मन्त्री न साएम नाताश क कार्यकाल के दौरान लागू किए गए कई सुधारों पर प्रकाश डाला, जिनसे अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ हुआ है, और उनकी तुलना लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सरकार के दौरान की स्थितियों से कोई मुश्ख्यमन्त्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले पूर्व जदयू अध्यक्ष सिंह ने कहा, "मुसलमान पहले भी जद-य को बोट नहीं देते थे,

**ये फायरिंग नहीं मर्दार हैं... संभल हिंसा पर भड़के असदुद्धीन ओवैसी, कहां-जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हो कार्रवाई**



पारित कर दिया, जो गलत है। जब दूसरा सर्वे हुआ तो कोई जानकारी नहीं दी गई। जिस सर्वे का दावा लोग कर रहे हैं उसका वीडियो पब्लिक डोमेन में है, जिसमें सर्वे के लिए आए लोगों ने भड़काऊ

गगाए। हिंसा हुई, तीन मुसलमान मारे गए, सकी निंदा करते हैं। यह गोलीबारी नहीं हत्या है। इसमें शामिल अधिकारियों को बत किया जाना चाहिए और एक मौजूदा

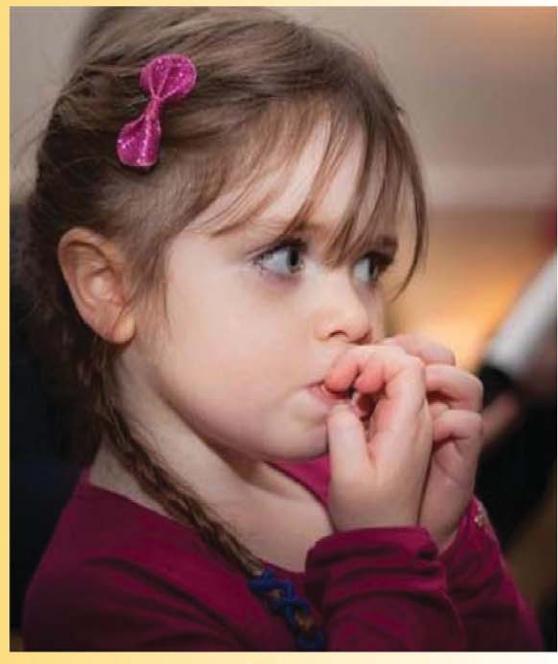
उच्च न्यायालय को इसकी जांच करनी चाहिए कि यह पूरी तरह से गलत है, वहाँ अत्याचार हो रहा है। समाजवादी पार्टी के नेता और रामपुर से सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवा ने कहा कि हर कोई कह रहा है कि ये एक सोची समझी बात थी और इसके लिए पहले से ही रणनीति बनाई गई थी। प्रशासन को इस मुद्दे से निपटना चाहिए क्योंकि हम एक ही देश के हैं। हम एक ही सर्विधान को मानते हैं और हमारे पूर्वज भी एक ही हैं। इससे पहले आज, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि संभल में मस्जिद का सर्वेक्षण अदालत के आदेश के तहत किया जा रहा है और उस हिंसा की निष्पक्ष जांच की जाएगी जिसमें चार लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य को घायल कर दिया। ऐवैसी ने कहा कि संभल की मस्जिद 50-100 साल पुरानी नहीं, बल्कि 250-300 साल से ज्यादा पुरानी है और कोर्ट ने मस्जिद के लोगों की बात सुने बिना ही एक पक्षीय आदेश पारित कर दिया जो गलत है।











## बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को धुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटोमॉटम से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाय करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती हैं।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

► गंदगी से भरे नाखून जब मुँह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इफेक्शन, दांत कमज़ार, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंट्रोइनल इफेक्शन्स, डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।

► पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, कमज़ोर मासपेशियां और पैरों में उच्चन महसूस होने लगती है। वही, इससे जोड़ कमज़ार और ब्लड सर्क्युलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।

► लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दांतउल्लंघन, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती हैं और उंगलियां चटकाने से इनके बीमारी द्वारा कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस समस्या की चपेट में आ सकते हैं।

### नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उल्लियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका खाद्य कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्राइंग करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें।

### पैर हिलाने पर तुरंत टोकं

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा रस्टेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनात्मक रखने के लिए फिजिकल एक्टिविटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

### योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरू से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योग करवाएं।



कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक वीजे खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक वीजे शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अवसर अग्रिमावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान हैं तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

### शक्रकरंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने की वाले को बढ़ाव देने के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

### दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्त्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

### गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से

## बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

### केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पौष्टिक वीजे से भरपूर केले का सेवन करने से 3ंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन के कांथ या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

### चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज़ खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस आदि अधिक होने से बच्चे की ग्रीष्म बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

### सूखे मेवे

बच्चे की ग्रीष्म के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑशन है। आप बच्चे को चीज़ खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रीष्म बेहतर तरीके से होती है। आप इसे मानव खेलते हुए किसी भी बच्चे को दें सकते हैं।

### पौष्टिक गुणों से भरपूर आड़ू का सेवन

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने की वाले को बढ़ाव देने के लिए बेस्ट आहार माना जाता है। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

### नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। आप इससे शेक, फूट चाट, स्मूटी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

### दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्त्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

### घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजाम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

### आलू

6 महीने बाट बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रीष्म अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिलाऊं, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

### हैल्टी ड्रिंक्स

आप घर ही सातुर अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

### बच्चों को बताएं गुड़ और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरूरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सरकार इसलिए जरूरी है क्योंकि बच्चे बहुत

ज्यादा भोजे और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई होता है। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको बदल देता है।

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है।

इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की काशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सकें।

बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके कारीब आने का

प्रयास करें तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच देते भी भी इंकार कर दें।







ଲାଲତ ଗ୍ରାମ

आज भारत देश की  
वैरिवक साथ और  
गरिमा में जो वृद्धि हुई  
है उसका पूरा श्रेय  
प्रधानमंत्री मोदी को  
जाता है। विश्व शांति  
की स्थापना में भारत  
का योगदान हो या  
प्रौद्योगिकी के विशाल  
क्षितिज में लंबी उड़ान,  
यह सब प्रधानमंत्री की  
विशाल दृष्टि से संभव  
हो रहा है। हम सब  
बदलाव की इस  
प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख  
रहे हैं। यह सौभाग्य  
से कम नहीं है।

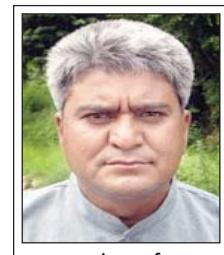
संपादकीय

## परिणाम के मायने

दो राज्यों- महाराष्ट्र और झारखंड़- के परिणाम भाजपा और कांग्रेस के लिए कमोबेश मिले-जुले रहे। एक तरफ जहां महाराष्ट्र में भाजपा-नीत महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत के साथसत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा की 230 सीटें पर जीत दर्ज की; वहाँ झारखंड़ मुक्ति मोर्चा (जेएमएप)-नीत गठबंधन ने 81 सदस्यीय झारखंड़ विधानसभा में 56 सीटें जीत कर भाजपा-नीत राजग गठबंधन को करारी शिकस्त दी। उधर, उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटें के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा ने 7 और सपा ने दो सीटें जीतीं। राजस्थान में 7 सीटें के लिए हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने पांच सीटें जीतीं जबकि कांग्रेस और बीएपीपी को एक-एक सीट मिली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड़ा ने केरल में वायानाड़ लोक सभा सीट के उपचुनाव में 4.1 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव परिणामों को लेकर करीब-करीब सभी एकिजंट पोल्स ने इसी प्रकार के परिणाम आने की बात कही थी। भाजपा का कहना है कि महाराष्ट्र में जीत के एकता का संकेत मिला है कि हम ह्याएक हैङ्क तो सेफ हैं।' महाराष्ट्र में अपनी करारी हार पर कांग्रेस ने 'हारे को हरि नाम' अंदाज में झारखंड में जेएमएप-नीत की जीत को भुलाने का उपक्रम किया है। चुनाव परिणामों को लेकर शिवसेना उद्घव गुट के नेता संजय राउत ने यह कहकर जनादेश का अपमान ही तो किया है कि परिणाम में साजिश नजर आ रही है यह मराठी 'मानुष' और किसानों का जनादेश नहीं है। चुनाव नतीजों में कुछ तो गड़बड़ है। बेशक, चुनाव परिणाम के नतीज सभी पक्षों खासकर चुनाव में पराजित होने वाले पक्ष के लिए मौका होते हैं कि वे अपनी हार का आकलन करें और कमियों को जानें। हाल के चुनावों खासकर केंद्र में नेरन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद यानी 2014 के बाद देश में एक नया मतदाता वर्ग उभरा है। यह ऐसा वर्ग है, जो जाति-धर्म से ऊपर उठकर जनादेश देता है। यह वर्ग सरकार की नीतियों और पहल से प्रभावित होकर बोट करता है। हालांकि इस वर्ग को रेवड़ी बांटकर तैयार किया गया वर्ग करार दिया जाता रहा है, लेकिन मानना ही होगा कि मतदाताओं का बड़ा हिस्से के बोट देने के फैसले को सरकार की ओर से मिलने वाले लाभ निर्णायक साबित हो रहे हैं। महाराष्ट्र में भी एकनाथ शिंदे 'लाडली बहीं योजना' ने मतदाताओं को उनके पक्ष में लामबंद कर दिया। झारखंड में इसी तर्ज पर 'मइया योजना' के अलावा आदिवासी अस्मिता का मुद्दा भारी पड़ा।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें



सरेण भाव

**ग** गा में करोड़ों लोगों की आस्था है। देश-विदेश में रहने वाले लोगों की जीवन में एक बार इच्छा रहती है कि वे गंगोत्री का साक्षात् दर्शन करके गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगा कर पुण्य कमाएं। बहुत से बुजुर्ग हैं, जो जीवन के अंतिम पटाख पर गंगा के दर्शन के बाद मुक्ति की कामना करते हैं। लेकिन पर्यावरण में आ रहे बदलाव के बाद भागीरथी के रूप में गंगोत्री से आ रही गंगा की यह मुख्यधारा उद्धम से ही प्रदूषित हो रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा गंगा एकशन प्लान और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नमामि गंगे परियोजना में गंगा की निर्मलता के लिए पर्याप्त बजट, तकनीक, मानव संसाधन आदि का उपयोग करने के बाद भी गंगोत्री में प्रति दिन एक मिलियन लीटर क्षमता वाले सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से एकत्रित किए गए नमुने के आधार पर 100 एमएल पानी में फेकल कॉलीफार्म का स्तर 540 पाया गया है। फेकल कॉलीफार्म का यह स्तर मनुष्यों और जानवरों के मल मूत्र से निकलने

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन बाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व वह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूँ, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समर्वत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

# विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता



निया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गैरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री ने देंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी श्रृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 करेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उहँने जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिक्रिया है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साखों को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदृशी से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है।

अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फ़िलीस्तीन, इजिट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को सर्वोच्च करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्रयों की वर्णमाला से गृथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री

मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मङ्गोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो।

भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि 'आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो।' मुझे तो आपके आतोंग्राफ लेने चाहिए।' ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारे से गुंजायमान हो उठा। उस देखकर तो ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथेनी अल्बानीस भी

## संविधानः हम भारत के लोग



# ਹਮ ਭਾਰਤ ਕੇ ਲੋਗ

अभिभूत, भारतीय संविधान की प्रस्तावना विश्व में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। उद्देशकों के माध्यम से भारतीय संविधान का सार, अपेक्षाएं, उद्देश्य उसका लक्ष्य तथा दर्शन प्रकट होता है। प्रस्तावना यह घोषणा करती है कि संविधान अपनी शक्ति सीधे जनता से प्राप्त करता है। इसी कारण यह हम भारत के लोग इस वाक्य से प्रारम्भ होती है। संविधान भाग 3 व 4 नीति निर्देशक तत्त्व मिलकर संविधान हृदय, चेतना और रीढ़ कहलाते हैं। व्याकोंकि किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के लिए मौलिक अधिकार तथा नीति-निर्देश देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यथार्थ प्रदत्त अधिकार हमारे राष्ट्र के परम वैभव और जनकल्याण के लिए सार्वगतिं है।

विशेष, संविधान विधान भर नहीं है। यह भारतीय

संस्कृति है। सर्विधान की देह भारतीय है। इसलिए वे भारतीय, सभ्यता, संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है हमारी जो उदात्त जीवन परम्पराएँ हैं। सर्विधान उन एक तरह से व्याख्यायित करता है। सर्विधान वे नियमावली पर गूढ़ नजर डालें तो पाएंगे कि हमारे सर्विधान का आधार भगवान् श्रीराम के आदर्शों व भी पालन करता है। उनके आदर्श समाज के प्रासूति को ही नहीं अपितु देश के सर्विधान को तथा करने औं देश का बेहतर संचालन करने में भी प्रार्थित हैं। ऐसे ही कुछ विचार आया होगा भारतीय सर्विधान की मूल हस्तलिखित पांडुलिपि पर चित्र बनाने वाले महाराज चित्रकार नंदलाल बोस के द्विमाण में। 'सर्वधं समभाव' की विचारमाला को अपने मानकों में परिवर्तन वाले भारतीय सर्विधान की रिक्तता को पूर्ण करने

# गंगा नदीः प्रदूषण से चाहिए मुक्ति

बाले सूक्ष्म जीवों से होने वाले प्रदूषण को दर्शाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार स्नान और आचमन करने योग्य जल की गुणवत्ता मानदंडों के अनुसार 100 एमएल पानी में फेकल कालीफर्म का लेवल 500 से कम होना चाहिए। लेकिन गंगोत्री में ही यह 540 पाया गया है, जो इंसान के लिए बहुत खतरनाक है। इससे स्पष्ट है कि जल पीने लायक भी नहीं है।

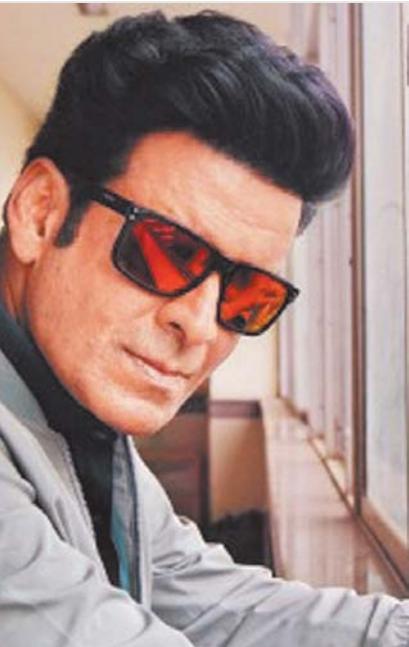
5 नवम्बर, 2024 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने उत्तराखण्ड के मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि इसकी निगरानी करके 13 फरवरी, 2025 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। चिंताजनक है कि गंगा के उद्धम उत्तराखण्ड में ही देहरादून, उत्तरकाशी, पौड़ी, चमोली, हरिद्वार, टिहरी में लगाए गए लगभग 53 सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की क्षमता इतनी कम है कि गंगा में पिर रहे सीवर की सफाई नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 'गंगा' प्रदूषण की बीमारी से ग्रस्त है जहां पर 22 अक्टूबर, 2024 की रिपोर्ट में 326 नालों में से 247 नालै बिना शोधित हैं, जिनमें से 3513.16 एमएलडी सीवेज गंगा और सहायक नदियों में पिर रहा है। 6 नवम्बर, 2024 के आंदेश में एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि प्रयागराज जिले में सीवेज शोधन में 128 एमएलडी का अंतर है। यहां 25 नालों से गंगा में बिना शोधित सीवेज भी पिर रहा है और यमुना में भी 15 नालों से बिना शोधित सीवेज जा रहा है।

मैदानी क्षेत्रों में कहीं भी गंगा जल की गुणवत्ता नहीं बची है। गोमती नदी में भी प्रदूषणकारी तत्व जमा हो गए हैं। यही हालत गंगा की सहायक काली, हिंडन,

रामगंगा, तमसा, बेतवा, आसी, वरुण समेत डेंडर्जन नदियों की है, जो नाले का रूप ले चुकी हैं उत्तर प्रदेश के 23 जिलों, जो गंगा के किनारे बसे हैं में से 12 जिलों में तो पानी को साफ करने की सुविधा तक मौजूद नहीं है जबकि वाराणसी, फूरखाबाद कानपुर, उन्नाव और मिजारुर जिलों से गंगा में आ रहे गंदे नालों की ताजा स्थिति उपलब्ध होनी बाकी है पटना में 507 नाले खिच्छित किए गए हैं, जो बिट्रीटमेंट गंगा में गिर रहे हैं। दीया नहर का जहरीला रसायनयुक्त काला पानी बेधड़क गंगा में पहुंच रहा है अभी कार्टिंग पूर्णिमा के अवसर पर इसी पानी में 45 लाख लोगों ने स्नान किया जबकि यहाँ फेक कॉलीफॉर्म नामक खतरनाक जीवाणुओं की संख्या मानक से कई गुना अधिक है। शोध के अनुसार गंगा जल में बैट्रीयोफोस नामक बैक्टीरिया पाया जाता है जो जल में रसायनिक क्रियाओं से उत्पन्न अवांछनीय पदार्थों को खाता रहता है जिससे गंगा जल की शुद्धि बढ़ी रहती है। लेकिन अंधाधुंध प्रदूषण के कारण ऐसा लाभाद्यक बैक्टीरिया उड़म से ही समाप्त हो रहे हैं गंगा की मौजूदा स्थिति को देखते हुए कहना कि अतिशयोक्ति नहीं कि गंगा की निर्मलता अविरलता है लिए 2014 में निर्धारित 20 हजार करोड़ रुपये वर्षा के अलावा अधिक आवश्यक होता कि सरकार और समाज को मिल कर प्रदृष्टिकारी तत्वों, जो पूरे तरह मानव जनित हैं, को विभिन्न संवादों और नियमों के आधार पर रोकना चाहिए था जिसके लिए गांव व जल एवं स्वच्छता समिति से लेकर राज्य और केंद्र तक संबंधित मंत्रालय मिल कर प्रयास कर सकते थे। गंगा की सफाई के नाम पर दो प्रयास अधिक प्रकाश



आए हैं, जिसमें पहला स्नान घाटों की सफाई जहां पर रंग-बिरंगे टाइल लगे हुए हैं। दूसरा एस्टीपी के सहारे गंगाजल की सफाई। जबकि बरसात में एस्टीपी ध्वस्त हो जाते हैं। इसका अर्थ है कि गंदगी करने वाले अनियत्रित पर्यटकों, उद्योगों, प्लास्टिक संस्कृति को मौका मिल रहा है कि वे अपने उपयोग के बाद पैदा होने वाली गंदगी और मानवीय मल मूत्र को जहां भी विसर्जित करेंगे वहां जल शोधन की प्रक्रिया से साफ हो जाएगा। ऐसा न करने से उन्हें कोई रोक भी नहीं रहा है जिसके परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इसके चलते गंगाजल को प्रदूषण से मुक्ति कैसे मिलेगी?



## मनोज बाजपेयी ने बताया डिस्पैच की शूटिंग के दौरान क्या थी चुनौती

गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2024 की शुरुआत हुई, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी भी नजर आए। अभिनेता ने अभिनय और फिल्म उद्योग के वर्तमान मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, उनकी आगामी फिल्म डिस्पैच की प्रीमियर भी इस महोत्सव में हुआ। फिल्म के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने उन क्षेत्रों के बारे में बताया, जिन्हें वह बताते हुए अभिनेता तलशाना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग के दौरान घायल होने का भी ज़िक्र किया।

**शूटिंग के दौरान मनोज बाजपेयी का घुटना हो गया था चोटिल**

एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा, यह फ़िल्म एक पत्रकार की अंदरूनी और बाहरी दोनों दुनियाँ की खोज करती है। इन दोनों दुनियाँ में नविगेट करने की कोशिश में, मेरे पार कॉर्पी-कॉर्पी इंडर-उभर हो जाती थी और इन सब में, मेरा घुटना घायल हो गया। यह अभी भी ठीक हो रहा है। बताते चले कि फिल्म में मनोज बाजपेयी एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जो एक बड़े वित्तीय घोटाले को उजागर करने के लिए घोटों काम कर रहे हैं।

**फिल्म की कहानी को बताया अनेकों अभिनेता ने आगे कहा, यह एक बहुत ही अनेकों और वास्तविक स्क्रिप्ट थी।**

इसके अलावा उन्होंने इसे अपनी लिखने के लिए काफी समर्पण किया है। इसके अलावा उन्होंने इसे इशानी बर्नजी के साथ मिलकर लिखा भी है। इसे आरएसपी बर्नीज के बैनर तरे रोनी स्क्रूलाला ने प्रोड्यूसर किया है। फिल्म में शाहना गोसें और अर्विंग अग्रवाल भी नजर आने वाले हैं।

फिल्म को बनाने के दौरान अनेक अपरिवारिक घटनाएँ हुई हैं, जिस तरह से उन्होंने और इशानी ने स्क्रिप्ट लिखी थी, उसमें कोई भी लोकेशन दोहाराई नहीं जा रही थी। यह एक अलग तरह की प्रॉडक्शन की देंटा लवर के दौरान संक्रमित हो गए थे, फिर हम शूटिंग शुरू करने के लिए वापस आ गए।

हाल में ही रेलिज हुआ है डिस्पैच का टीजर डिस्पैच का टीजर हाल ही में रेलिज किया गया था। इसकी शुरुआत जायं (मनोज बाजपेयी) के पलेट में खिड़की के शीशे टूटने से होती है। यह एक कॉने में बागता है, तभी

उसे पाता चलता है कि उसकी खिड़कीयों पर बड़े बड़े पत्तर फेंके जा रहे हैं। कृष्ण बाद, एक निजी नंबर से कॉल आते हैं, जिसमें उसे जांच बंद करने का निर्देश दिया जाता है।

धमकी से विचलित हुए बिना, जायं सच्चाई और सही कहानी की तलाश में ढूँढ़ रहता है।



## टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है

विश्व टेलीविजन दिवस के अवसर पर धैर्यवानों द्वारा चौहान, जो ड्राइव विद नेता (सीजन 3) जैसे शो का हिस्सा रही है, जिसकी जिजाता है, और धड़न जिंदी की, सपनों की छलांग, और साथी की सवारी, जैसे कुछ शो का नाम ले, तो कहा, मुझे लगता है कि टेलीविजन ने समाज का प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मुझे वह समय याद है जब सास-बहू ड्रामा और समाज पर इसके प्रभाव का खुलासा हुआ था। उन्होंने लगता कि जब वह छाटी थीं, तो जब वे दुकानों पर जाती थीं, तो वे सामान बेचते थे, और कहती थीं कि यह दीया और बाती हम या तुमसी सारे जैसा ही था। उन्होंने कहा, अब वीजे बहुत बहुत गई है, लेकिन लोग टीवी और टीवी शो से बहुत प्रभावित हुए हैं, यह बहुत लुक है, किरदार हो जान हो। उन्होंने बताया कि टेलीविजन बहुत ही भोग्यमद है और उनका मानना है कि लोग स्क्रीन पर दिखने वाले किरदारों से प्रभावित होने लगते हैं।

उन्होंने कहा, हर व्यक्ति जो टेलीविजन देख रहा है, वह धीरे-धीरे खुद में किरदार देखना शुरू कर देता है और उस पर दर्शकों तक पहुँचने के लिए उत्सक है। फैसली के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए अली ने आगे कहा—मैं एक फिल्म का स्पार्ट करने में सक्षम होने के लिए इनना

## मुझे स्ट्रॉन्ग रोल्स निभाने में काफी मजा आता है

अनीता हसनदानी ने हाल ही में अपने शो सुमन इंडोरी में अपने किरदार देविका के बारे में बात की। उन्होंने मां बनने के बाद काम पर लौटने और

मॉम गिल्ट के बारे में भी

अपनी राय शेयर की....

डेली सोप पर वापसी करना आपके लिए किरदार के बारे में था

चैलेंजिंग रहा

आराव को घर छोड़ना मेरे लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल रहा है, लेकिन धीरे-धीरे इसके साथ एडजर्स कर रही है। काम पर लौटने की खुशी है,

वर्योंकि मुझे शूटिंग बहुत पसंद है

और इसे काफी मिस कर रही है। पर उसी खुशी के माम गिल्ट भी है। मुझे लगता है कि पैरेंट्स के तौर पर हमें अपनी जरूरतों और पैरेंट्स के तौर पर हमें अपनी चाहिए, ताकि हम अपनी लाइफ के बालेंस कर सकें। रोहित भी मेरे काम के दौरान आराव के साथ पुरा समय बिताने की कोशिश करते हैं, ताकि उसे हमारी कमी महसुस न हो।

कई नई मर्दस को मॉम गिल्ट

महसूस होता है, आपका

एक्सपीरियस कैसा रहा

मैं हमेशा से एक करियर बुमन रही हूं, 16

साल की उम्र से काम कर रही हूं लेकिन अब

जब आराव आया है, तो अकसर दिमाग में कॉन्फिलक्ट्स होते हैं। कई बार लगता है बस

रुल ब्रेकर्स में फीबी

वालर ब्रिज के साथ काम

करेंगे अली फजल

ती फजल बॉलीवुड के साथ हॉलीवुड में भी

धारावाहिकों के बारे में नहीं है, बल्कि समाचार, संगीत और फिल्मों के बारे में भी है हमें देखने को मिलता है। टेलीविजन अधिक यथार्थवादी हो गया है, और यहां तक कि दर्शक भी अधिक यथार्थवादी हो गए हैं। टीवी अभी मुक्ति के बचने में भी है। मुझे नहीं लगता कि अटीटी की तुलना टीवी से करने की जरूरत है, वर्योंकि दोनों का अपना आकर्षण है। 90 के दशक की बच्ची देवाग्ना दूरदर्शन पर सुरुष और वित्रहार देखकर बच्ची हुई है।

धारावाहिकों के बारे में नहीं है, बल्कि समाचार, संगीत और फिल्मों के बारे में नहीं है। अली ने हाल ही में आगामी फिल्म रुल ब्रेकर्स में एक्ट्रेस फीबी वालर ब्रिज के साथ काम करने की घोषणा की। एंजेल ब्रेकर्स ने निर्मित यह प्रोजेक्ट अली के बहुत अंतर्राष्ट्रीय करियर में एक और मील का पथर है। दो बार के अंसरकर विजेता बिल मूटेंट द्वारा निर्देशित रूल ब्रेकर्स अफगानिस्तान में लीवीलेपन और अवज्ञा के विषयों को धोताल करती है। उसे फिल्म नई अली की भागीदारी एक एक्टर के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विभिन्न शैलियों में विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी क्षमता को दर्शाती है। अली ने कहा—मैं रुल ब्रेकर्स का दिस्सा बनाने के बाद और अली के बाद एक और मील का पथर है। लेकिन यह एक अली की बात नहीं थी कि एंजेल ने इसमें कठम रखा।

ब्रेकर वह टैलेंट का

पावरहाउस है

इसनिए मध्ये

यहां की जुड़ने से

फिल्म नई

ऊंचाईयों पर

पहुँच गई है।

ब्ल

लुकियों के

लिए

अकगानी

रोबोटिस्ट्स

टीम के

साथ रोया

महबूब की

लाइफ और

उनको जीनी के

विभिन्न फेज में

भूमिका निभाते हैं।



अदिनशामकों के साथ सुमाज के साथ रुद्धि देती है प्रतीक गांधी, दिव्येंदु की फिल्म अदिन

राहुल दोलकिया की आगामी फिल्म अदिन का ट्रेलर 21

नवंबर को जारी किया गया। यह फिल्म अदिनशामक

कर्मियों की बहादुरी और बलिदान का जशन मनायेगी।

रास्ते पुराकर विजेता फिल्म निमाजा राहुल दोलकिया

द्वारा लिखेत और निर्देशित इस फिल्म में प्रतीक गांधी

और दिव्येंदु पूर्ण भूमिकाओं म





